1. भाषा सीखने की कौन-सी विधि मातृभाषा को मध्यस्थ बनाए बिना दूसरी भाषा को सीखने में सहायक होती है?

(1) अनुवाद विधि
(2) द्विभाषी विधि
(3) अप्रत्यक्ष विधि
(4) प्रत्यक्ष विधि

2. भाषा-शिक्षण में खेल का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण स्थान है क्योंकि

(1) भाषा-शिक्षक को कम श्रम करना पड़ता है
(2) खेल भाषा को विस्तार देते हैं
(3) खेल में आनन्द आता है
(4) खेल में शारीरिक विकास होता है

3. पाठ के अन्त में अभ्यास और गतिविधियों का उद्देश्य ……… नहीं है।

(1) भाषा का विस्तार करना
(2) सृजनात्मकता का विकास करना

(3) बच्चों को अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान करना
(4) प्रश्नों के उत्तर सरलता से याद करवाना

4. भाषा-शिक्षण में बालक में मौखिक कौशल के विकास के लिए ... सबसे कम महत्त्वपूर्ण है।

(1) किसी विषय पर चर्चा करना
(2) बच्चों की बात को धैर्य से सुनना
(3) प्रश्नों के उत्तर पूछना
(4) अपनी बात कहने का पूरा मौका देना

5. भाषायी कौशलों के सन्दर्भ में कौन-सा कथन सत्य है?

(1) भाषायी कौशल एकसाथ सीखे जाते हैं, क्रम से नहीं
(2) भाषायी कौशल एक-दूसरे से स्वतन्त्र होते हैं
(3) भाषायी कौशल एक क्रम से सीखे जाते हैं
(4) भाषायी कौशल एक-दूसरे को प्रभावित नहीं करते

6. पढ़ना कौशल में ··· सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है।
(1) उच्चारण की शुद्धता
(2) अर्थ ग्रहण करना
(3) लिपि चिह्नों की जानकारी
(4) द्रुत गति से पढ़ना

7. बोलना कौशल में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है
(1) बोलने की तेज गति
(2) शुद्ध उच्चारण
(3) समझकर बोलना
(4) आँखों देखा वर्णन करना

8. बच्चा स्वाभाविक रूप से अपने घर और समाज के वातावरण से ··· अर्जित करता है।
(1) शब्द (2) व्याकरण (3) भाषा (4) वाक्य

9. भाषा के आधारभूत कौशल
(1) हमेशा अर्जित किए जाते हैं
(2) सर्वथा पृथक हैं
(3) अन्तः सम्बन्धित होते हैं
(4) क्रमबद्ध रूप से चलते हैं

10. स्वाभाविक अभिव्यक्ति, कल्पनाशीलता, कौशल और सोच को विकसित करना
(1) भाषा शिक्षण का एकमात्र उद्देश्य है
(2) भाषा शिक्षण का उद्देश्य नहीं है
(3) भाषा शिक्षण का एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है
(4) भाषा शिक्षण को किसी प्रकार की दिशा नहीं देता

11. परस्पर बातचीत मुख्यतः
(1) सुनने और बोलने के कौशलों के विकास में सहायक है
(2) पढ़ने-लिखने में सहायक है
(3) समय की बर्बादी है
(4) अनुशासनहीनता को उत्पन्न करती है

12. एकांकी पाठ मुख्यतः किसमें सहायता करते हैं?
(1) वाक्य संरचना की जानकारी
(2) अभिनय की कुशलता
(3) लेखन-कौशल का विकास
(4) सन्दर्भ के अनुसार उचित उतार-चढ़ाव के साथ बोलना

13. लेखन-कौशल में कौन-सा पक्ष सबसे कम महत्त्वपूर्ण है?
(1) लिखित कार्य पर शिक्षक की प्रतिक्रिया/टिप्पणी
(2) सुन्दर लेखन का यान्त्रिक अभ्यास
(3) प्रिन्ट समृद्ध वातावरण
(4) अपने अनुभवों की लिखित अभिव्यक्ति

14. 'सुनना' कौशल के बारे में कौन-सा उचित नहीं है?
(1) सुनना कौशल सबसे कम महत्त्वपूर्ण है
(2) सुनना कौशल मौखिक कौशल के अन्तर्गत आता है
(3) सुनना कौशल अन्य कौशलों के विकास में सहायक है
(4) सुनना कौशल का विकास भाषा के नियमों को पहचानने, उनका निर्माण करने में सहायक है

15. परस्पर बातचीत मुख्यतः
(1) समय की बर्बादी है
(2) अनुशासनहीनता को उत्पन्न करती है
(3) सुनने और बोलने के कौशलों के विकास में सहायक है
(4) पढ़ने-लिखने में सहायक है

16. लेखन कौशल में कौन-सा पक्ष सबसे कम महत्त्वपूर्ण है?
(1) प्रिन्ट-समृद्ध वातावरण
(2) अपने अनुभवों की लिखित अभिव्यक्ति
(3) लिखित कार्य पर शिक्षक की प्रतिक्रिया
(4) सुन्दर लेखन का यान्त्रिक अभ्यास

17. 'सुनना' कौशल के बारे में कौन-सा कथन उचित नहीं है?
(1) सुनना कौशल अन्य कौशलों के विकास में सहायक है
(2) सुनना कौशल का विकास भाषा के नियमों को पहचानने, उनका निर्माण करने में सहायक है
(3) सुनना कौशल सबसे कम महत्त्वपूर्ण है
(4) सुनना कौशल मौखिक कौशल के अन्तर्गत आता है

18. 'डायरी लेखन' का मुख्य उद्देश्य है
(1) वर्तनी का ज्ञान
(2) शब्द भण्डार में वृद्धि
(3) वाक्य संरचना का ज्ञान
(4) अपने भावों, विचारों की ईमानदारी और आत्मविश्वास से पूर्ण भाषिक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना

19. उच्च प्राथमिक स्तर पर लेखन कौशल के विकास का कौन-सा उद्देश्य सबसे कम महत्त्वपूर्ण है?
(1) सुनी, समझी, पढ़ी हुई बातों को सहज और स्वाभाविक लेखन द्वारा अभिव्यक्त करने की क्षमता का विकास करना
(2) सन्दर्भानुसार मुहावरे, लोकोक्तियों का प्रयोग करते हुए लिखित अभिव्यक्ति को प्रभावी बनाना
(3) प्रसिद्ध लेखकों की लेखन शैली की समीक्षा करना
(4) सृजनात्मक लेखन द्वारा निज शैली का विकास करना

20. पाठ्य-वस्तु का भावपूर्ण पठन
(1) पठन की पहली और अनिवार्य शर्त है
(2) अर्थ को समझने में मदद करता है
(3) केवल कविताओं पर ही लागू होता है
(4) पठन का एकमात्र आदर्श रूप है

21. पढ़ने की कुशलता का विकास करने के लिए जरूरी है कि
(1) बच्चों को शब्दार्थ जानने के लिए बाध्य किया जाए
(2) बच्चों को विविध प्रकार की विषय-सामग्री उपलब्ध कराई जाए
(3) बच्चों को द्रुत गति से पढ़ने के लिए बाध्य किया जाए
(4) बच्चों को बोल-बोलकर पढ़ने के लिए निर्देश दिए जाए

22. भाषा कौशलों के बारे में कौन-सा कथन सही है?
(1) भाषा के कौशल केवल क्रमबद्ध रूप से ही सीखे जाते हैं
(2) भाषा के कौशल परस्पर अन्तः सम्बन्धी हैं
(3) भाषा के कौशलों में से केवल पढ़ना-लिखना महत्त्वपूर्ण है
(4) भाषा के मूल रूप से कौशलों में से केवल सुनना, बोलना ही महत्त्वपूर्ण है

23. बच्चों की पठन कुशलता का विकास करने में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है
(1) भाषिक संरचनाओं का अभ्यास
(2) अर्थ की अपेक्षा उच्चारणगत शुद्धता पर विशेष ध्यान देना
(3) विभिन्न सन्दर्भों से जुड़ी सामग्री
(4) पाठ्य-पुस्तक में दिए गए अभ्यास

24. लेखन कुशलता का विकास करने में सबसे कम महत्त्वपूर्ण है
(1) प्रतिलिपि
(2) अधूरी कहानी को पूरा करना
(3) कहानी, कविता आदि का सृजनात्मक लेखन
(4) आँखों देखी घटनाओं को लिखना

25. विशेष क्षमता वाले बच्चों की कक्षा में लेखन कौशल के अभ्यास के लिए महत्त्वपूर्ण है
(1) विचारों की मौलिकता
(2) शुद्ध वर्तनी का प्रयोग
(3) आलंकारिक भाषा का प्रयोग
(4) अक्षरों की सुन्दर बनावट

26. बोलना कौशल के विकास के लिए सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है
(1) श्रुतलेख
(2) कथा श्रवण
(3) परस्पर वार्तालाप
(4) सुनी गई सामग्री का ज्यों का त्यों प्रस्तुतीकरण

27. आप सस्वर पठन में अनिवार्यतः किस साहित्यिक विधा का समर्थन करेंगे?
(1) एकांकी का
(2) यात्रावृत्तान्त का
(3) जीवनी का
(4) आत्मकथा का

28. मौन पठन में मुख्यतः
(1) शब्द भण्डार विकसित किया जाता है
(2) मन-ही-मन बुदबुदाते हुए पढ़ा जाता है
(3) गहन अर्थ को आत्मसात करने का प्रयास किया जाता है
(4) तेज गति से पाठ को पढ़ा जाता है

29. एकांकी पढ़ने का सबसे अच्छा तरीका है
(1) बच्चों से अलग-अलग पात्रों के संवाद पढ़वाए जाएँ और फिर एकांकी का मंचन हो
(2) एकांकी को बच्चे घर से पढ़कर आएँ और कक्षा में शिक्षक सवाल पूछें
(3) शिक्षक स्वयं पढ़ते हुए सवाल पूछते जाएँ
(4) शिक्षक स्वयं पढ़ें और बच्चे सुनें

30. पढ़ना कौशल में सबसें ज्यादा महत्त्वपर्ण है
(1) शब्दों वाक्यों को शुद्ध रूप से उच्चारित करना
(2) केवल अक्षर पहचान
(3) तेज गति से पढ़ना
(4) सन्दर्भानुसार अर्थ ग्रहण करना

31. प्राथमिक स्तर पर सुनना-बोलना कौशल के विकास में कौन-सी विधियाँ अधिक सहायक हैं?
(1) कहानी कथन और श्रुतलेख
(2) कविता पाठ और भाषा प्रयोगशाला
(3) भूमिका निर्वाह (रोल प्ले) और समाचार वाचन
(4) भूमिका निर्वाह और बातचीत करना

32. ग्राह्यात्मक कौशलों में शामिल हैं
(1) सुनना, बोलना
(2) बोलना, लिखना
(3) सुनना, पढ़ना
(4) पढ़ना, लिखना

33. भाषा के अभिव्यक्तात्मक कौशल हैं
(1) सुनना, पढ़ना
(2) सुनना, बोलना
(3) बोलना, लिखना
(4) पढ़ना, लिखना

34. भाषा कौशलों के सन्दर्भ में कौन-सा कथन उचित हैं?
(1) भाषा कौशलों के विकास में अभ्यास की अपेक्षा भाषिक नियमों का ज्ञान जरूरी है
(2) विद्यालय में केवल पढ़ना, लिखना कौशलों पर ही बल देना चाहिए
(3) बच्चे केवल सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना कौशल क्रम से ही सीखते हैं
(4) भाषा के चारों कौशल परस्पर अन्तः सम्बन्धित हैं

35. बोलना कौशल में महत्त्वपूर्ण है
(1) मधुर वाणी
(2) सन्दर्भ एवं स्थिति के अनुसार अपनी बात कह सकना
(3) स्पष्ट एवं शुद्ध उच्चारण
(4) आलंकारिक भाषा का प्रयोग

36. निम्नलिखित में से कौन-सा श्रवण कौशल शिक्षण का उद्देश्य है?
(1) श्रुत सामग्री के विषय के महत्त्वपूर्ण एवं मर्मस्पर्शी विचारों, भावों एवं तथ्यों का चयन करने की क्षमता प्रदान करना
(2) विद्यार्थियों में ध्वनियों, शब्दों का शुद्ध उच्चारण तथा स्वर, गति, लय और प्रवाह के साथ पढ़ने की योग्यता विकसित करना
(3) छात्रों को साहित्यिक गतिविधियों में भाग लेने व सुनने के लिए प्रेरित करना
(4) उपरोक्त सभी

37. निम्नलिखित में से कौन-सा मौखिक अभिव्यक्ति का महत्त्व नहीं है?
(1) रोजमर्रा के कार्य-कलापों में मौखिक भाषा प्रयुक्त होती है
(2) भाषा की शिक्षा मौखिक भाषा से प्रारम्भ होती है
(3) मौखिक भाषा के द्वारा नई-नई जानकारियाँ मिलती हैं भले ही वह विचारों के आदान-प्रदान में सहायक नहीं हो
(4) अशिक्षित व्यक्ति बोलचाल के द्वारा ही ज्ञान अर्जित करता है

38. वाचन/पठन वह जटिल अधिगम प्रक्रिया है जिसमें दृश्य, श्रव्यों सर्किटों का मस्तिष्क के अधिगम केन्द्र से सम्बन्ध निहित है। यह कथन किसका है?
(1) जीन पियाजे
(2) कैथरीन ओकानर
(3) स्किनर
(4) चॉमस्की

39. यदि छात्र की .... इन्द्रियों में दोष है, तो वह न भाषा सीख सकता है और न अपने मनोभावों को अभिव्यक्त कर सकता है।
(1) पठन
(2) श्रवण
(3) दृश्य
(4) इनमें से कोई नहीं

40. .... ही अन्य भाषायी कौशलों को विकसित करने का प्रमुख आधार बनता है।
(1) वाचन कौशल
(2) पठन कौशल
(3) श्रवण कौशल
(4) इनमें से कोई नहीं

41. निम्नलिखित में से कौन-सा लेखन शिक्षण का उद्देश्य है?
(1) सुपाठ्य लेख लिखना
(2) सोचने एवं निरीक्षण करने के उपरान्त भावों को क्रमबद्ध रूप में व्यक्त करना
(3) शब्दों की शुद्ध वर्तनी लिखना
(4) उपरोक्त सभी

42. मौखिक अभिव्यक्ति में निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता नहीं होनी चाहिए?
(1) शुद्धता
(2) प्रवाहमयता
(3) श्रोताओं से काफी उच्च स्तर की भाषा का प्रयोग
(4) अवसरानुकूल

43. निम्नलिखित में से कौन-सा लेखन अभ्यास है?
(1) सुलेख (2) अनुलेख (3) श्रुतलेख (4) ये सभी

44. भाषा शिक्षण में विचारों के आदान प्रदान से छात्रों में निम्न में से किस कौशल का विकास होता है?
(1) भाषा कौशल का
(2) चिन्तन कौशल का
(3) सामूहिक क्रियाओं में कार्य करने के कौशल का
(4) उपरोक्त सभी

45. मौखिक अभिव्यक्ति में निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता होनी चाहिए?
(1) स्वाभाविकता
(2) स्पष्टता
(3) बोधगम्यता
(4) ये सभी

46. श्रवण कौशल के शिक्षण के द्वारा निम्नलिखित में से किस उद्देश्य की पूर्ति की जा सकती है?
(1) छात्रों का मानसिक एवं बौद्धिक विकास करना
(2) छात्रों में भाषा व साहित्य के प्रति रुचि पैदा करना
(3) श्रुत सामग्री का सारांश ग्रहण करने की योग्यता विकसित करना
(4) उपरोक्त सभी

47. निम्नलिखित में से कौन-सा वाचन का महत्त्व नहीं है
(1) वाचन कौशल ज्ञानोपार्जन का साधन है
(2) सामाजिक दृष्टिकोण की अपेक्षा वाचन शैक्षिक दृष्टिकोण से अधिक महत्त्वपूर्ण है
(3) लोकतन्त्रात्मक प्रवृत्ति के विकास में वाचन महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है
(4) वाचन मनोरंजन का महत्त्वपूर्ण साधन है

48. निम्नलिखित में से कौन-सा वाचन/पठन कौशल का उद्देश्य है?
(1) बालकों के स्वर में आरोह-अवरोह का ऐसा अभ्यास करा दिया जाए कि वे यथावसर भावों के अनुकूल स्वर में लोच देकर पढ़े
(2) बालकों को वाचन के माध्यम से शब्द ध्वनियों का पूर्ण ज्ञान कराया जाता है वाचन की इस कला से छात्र मुँह व जिह्वा के उचित स्थान से ध्वनि उच्चरित करते रहेंगे
(3) वाचन से अक्षर, उच्चारण, ध्वनि, बल, निर्गम, सस्वरता आदि को सम्यक् संस्कार प्राप्त होता है
(4) उपरोक्त सभी

49. निम्नलिखित में सें कौन-सी वाचन/पठन सम्बन्धी त्रुटि नहीं है?
(1) अशुद्ध उच्चारण
(2) वाचन में सम्यक् गति
(3) अटक-अटक कर पढ़ना
(4) भावानुकूल आरोह-अवरोह का अभाव

50. सस्वर वाचन में निम्नलिखित में से किस पर सबसे कम ध्यान दिया जाना चाहिए?
(1) शुद्धता एवं स्पष्टता
(2) भावानुकूल वाचन
(3) स्थानीय बोलियों का प्रभाव
(4) विराम चिह्नों का समुचित प्रयोग

51. निम्नलिखित में से कौन-सा श्रवण कौशल शिक्षण का उद्देश्य नहीं है?
(1) सुनकर अर्थ ग्रहण करने की योग्यता का विकास करना
(2) पूरी बात को सुनना न कि वक्ता के कथन के सांराश को समझना
(3) श्रुत सामग्री के विषय को भली-भाँति समझने की योग्यता उत्पन्न करना
(4) किसी भी श्रुत सामग्री को मनोयोग पूर्वक सुनने की प्रेरणा प्रदान करना

52. निम्नलिखित में से किस कौशल में निपुण होने के बाद स्वाराघात, बालाघात व स्वर के उतार-चढाव के अनुसार छात्र किसी कथन को समझ सकता है?

(1) श्रवण कौशल (2) पठन कौशल
(3) भाषण कौशल (4) इनमें से कोई नहीं

53. निम्नलिखित में से कौन-सी शिक्षण विधि श्रवण कौशल के शिक्षण में सर्वाधिक उपयोगी है?

(1) प्रश्नोत्तर (2) सस्वर वाचन (3) भाषण (4) ये सभी

54. निम्नलिखित में से कौन-सा मौन पठन का महत्त्व नहीं है?

(1) मौन वाचन में नेत्र तथा मस्तिष्क अक्रिय रहते हैं
(2) मौन वाचन में थकान कम होती है क्योंकि इसमें वाग्यन्त्रों पर जोर नहीं पड़ता
(3) मौन वाचन अवकाश का सदुपयोग करता है
(4) मौन वाचन के समय पाठक एकाग्रचित होकर ध्यान केन्द्रित कर पढ़ता है

55. निम्नलिखित में से कौन-सा मौखिक भाव-प्रकाशन शिक्षण का उद्देश्य नहीं है?

(1) बालकों का उच्चारण शुद्ध एवं परिमार्जित हो
(2) विषय की अनुकूलता से अधिक भाषा-शैली को महत्त्व देना
(3) छात्रों को व्याकरण सम्मत भाषा का प्रयोग करना सिखाना
(4) बोलने में विराम चिह्नों का ध्यान रखना सिखाना

56. सस्वर वाचन में निम्नलिखित में से क्या नहीं होना चाहिए?

(1) मानक भाषा का प्रयोग
(2) स्थानीय बोलियों का प्रभाव
(3) आत्मविश्वास के साथ वाचन
(4) विराम चिह्नों का समुचित प्रयोग

57. निम्नलिखित मे से कौन-सा गुण सस्वर वाचन में होना चाहिए?

(1) उचित ध्वनि निर्गम (2) उचित लय एवं गति
(3) उचित हाव भाव (4) इनमें से कोई नहीं

58. जब अध्यापक कक्षा में छात्रों के समक्ष स्वयं वाचन प्रस्तुत करता है उसे ...... कहते हैं।

(1) अध्यापक वाचन
(2) अनुकरण वाचन
(3) आदर्श वाचन
(4) विशेष वाचन